4121

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

(प्राचीन एवं मध्यकाल)

पाठ्य विषय : पाँच इकाइयों में विभक्त होगा– 100 अंक

इकाई – I

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, इतिहास दर्शन, स्रोत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण, आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, लौकिक साहित्य, जैन साहित्य।

आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई – II

भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य।

भक्तिकाल : स्वरूप, निर्गुण और सगुण का संबंध– साम्य और वैषम्य।

निर्गुण भक्ति : वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि– कबीर, नानक, दादू, रैदास आदि। निर्गुण काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, निर्गुण काव्य की सामाजिक चेतना।

भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य, सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्त्व।

इकाई – III

कृष्ण काव्य : अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय, गीत परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य। प्रमुख कवि – सूरदास, मीरा, रसखान आदि। वल्लभाचार्य का योगदान।

रामकाव्य : राम कथा और तुलसीदास, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ और मध्ययुग के संतों का सामान्य विश्वास, प्रेम ही परम पुरुषार्थ, गुरु का महत्त्व, नाम महात्म्य, आत्मसमर्पण।

भक्तीतर काव्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य।

भक्ति आन्दोलन का महत्त्व, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, धार्मिक समन्वय, पाखण्ड निषेध, जीवन का साहित्य।

इकाई – IV

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, रीतिकाल के मूल स्रोत, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परम्परा, कवि समय और कवि प्रसिद्धि।

ऐहिकतापरक काव्य का आविर्भाव, सतसई परम्परा।

इकाई – V

रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ।

रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिकाव्य में लोक जीवन, मध्यकालीन काव्य में मुसलमान कवियों का योगदान।

रीतिकाल का महत्त्व, रीतिकालीन गद्य एवं अन्य साहित्य।

सहायक ग्रंथ –

1. नगेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोयडा
2. नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
4. रामचंद्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
5. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिन्दी साहित्यः स्वरूप एवं संवेदना, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. रामविलास शर्मा : परम्परा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. विश्वनाथ त्रिपाठी : हिन्दी साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली